मसीही लोग कड़े समूहों और घरों में मिले

जो बच्चों को शिक्षा देते है उन्हें पढ़ना व अध्ययन करना चाहिए एच 6 ब

प्रार्थना: ''प्रभु यीशू, आपने अपने पुनरूत्थान के द्वारा हमें जीवित किया। इस जीवित देह के द्वारा हम पुन बहुत सी पुत्रियाँ तथा पोंत्रीयाँ उत्पन्न करके इस सभा में मिल सकें।''

1. अपने आप को तैयार कीजिये जिससे आप अपनी सभा की मदद कर सकें कि वे छोटे घरों रूपी गिरिजाघरों में काम कर सके।

- **प्रेरितो के काम 2:46 और 47; 18:7** पढ़कर ढूंढे कि किस प्रकार के स्थानों पर पहले मसीही लोग इकठ्ठे मिला करते थे। *(उत्तर टेढ़े अक्षरो में है)*
- **प्रेरितो के काम 2:46** में पाते हैं जहाँ विश्वासियों ने प्रभु भोज खाया। *(अपने घरों में)*
- **प्रेरितो के काम 5:42;20:20** में पाते हैं, जहाँ प्ररितो ने प्रभु यीशू के बारे में सिखाया। *(मंदिर और घरों में)*
- **प्रेरितो के काम 16:40** में पाते हैं कहा प्रेरित गए विश्वासियों को ढूढने फिलिप्पी में। *(लुदिया के घर में)*

प्रेरितो के काम 16:40; रोमियो 16:5; 1 कुरिन्थियों 16:19; कुलुस्सियों 4:15-16; फिलेमोन 1:1-3; जहाँ पर बहुत सी कलीसियायें इकठ्ठी हुई जिनको पौलुस प्रेरित ने बहुत से पत्र लिखे *(लोगो के घरों में)*

कुछ कलीसियायें बहुत बड़े हाथी के समान है जो दृढ़ हैं और बहुत सा कार्य कर सकती हैं। दूसरी कलीसियायें छोटे खरगोरा के समान है जो दृढ़ नही, परन्तु वह बहुत कुछ जल्दी से पुन: उत्पन्न कर सकती हैं।

हाथी

- 18 वर्षो में पूर्ण विकसित होजाते हैं।
- हर गर्भ धारण करने पर एक बच्चा
- एक साल में 4 बार गर्भ धारण कर सकती है।
- 22 महीने में प्रजनन क्रिया
- 3 वर्ष में परिवार में दो से तीन की संख्या बढ़ती है।

खरगोश

- 4 माह में पूर्ण विकसिक
- हर गर्भ धारण करने पर औसतन 7 बच्चे।
- तकरीबन हर समय गर्भ धारण कर कसती है।
- एक महीने में प्रजनन क्रिया।
- 3 वर्ष में परिवार में 4760000000 बढ़ोतरी होती है।

2. अपने सह साथियो के साथ मिलकर योजना बनायें कि किस प्रकार नये घर कलीसियायें सभायें बना सकते हैं।

अपने सह साथियों के साथ विचार विमश करें कि घरों में कलीसियायें सभायें बनाने के क्या फायदे हैं

- वे बड़े समूहो की अपेक्षा आसानी से बढ़ सकते हैं।
- नौसीखिये चरवाहे उन कलीसियाओं को चला सकते हैं।
- वे अपने आत्मिक वरदानो के द्वारा एक दूसरे को प्रोत्साहित करते हैं।
- नये नियम की आज्ञा के अनुसार वे ''एक दूसरे की आज्ञा मानने का अभ्यास करते हैं।

- उन्हें प्रार्थना घर के लिए पैसे की आवश्यकता नहीं हो
- वे शत्रुता पूर्ण व्यवहार करने वाले अधिकारियों को दिखाई नहीं देते

अपने सह साथियों के साथ विचार विमश करें कि किस प्रकार आप और वे नौसिखिये चरवाहों को जो घरों की कलीसियायों की सेवकाई करते हैं सलाह दे

मिलकर पढ़े पौलुस–तीमुथियुस अगुवों के प्रशिक्षण का अध्ययन ए. जी ''मार्गदशी सिदधांत नये चरवाहो हेतु''।

अपने सह साथियों के साथ जो नौसिखिये चरवाहे बन सकते हैं, उन के बारे में विमश करो उन लोगों में जाओ और उन्हे तैयार प्रशिक्षण के लिए जो उन्हें नये घरों में कलीसियें बनाने में सहायता करे। अच्छे चरवाहे उन में से आयेंगे जो:

- अपने परिवार को अराधना में अगुवाई करते हैं।
- जो सामर्थी है दूसरो को इकठ्ठा करने में।
- समाज में जिन की अच्छी प्रसिद्धि है।

नौसिखिये चरवाहों को प्रशिक्षण देने की योजना बनाये जिससे नये घरो में बनाये गये समूह अभ्यास करें:

- परमेश्वर की अराधना करना।
- यीशू का नाम लेकर प्रार्थना करना।
- नये विश्वासियों को बपतिस्मा देना।
- रोटी तोड़ने का।
- अति आवश्यक जरूरतों को पूरा करना।
- मिलकर धर्मग्रय के वचन का अभ्यास करे।
- दूसरे को प्रोत्साहन देना।
- दूसरो की सेवा करना।
- सुसमाचार को बॉटना।
- दूसरे घरेलू समूहों के साथ मेल जोल बढ़ाना।

योजना बनाएं कि कहाँ और कितनी बार घरों की कलीसियायें बड़ी सभाओ में मिल सकती हैं, अगर हो सके तो, जिससे...

- वरदानों से भरे प्रचारको तथा बाईबल के अच्छे शिक्षको से परमेश्वर का वचन सुन सके।
- अपने छोटे समूहों के छोटी 2 ब्योरे प्रस्तुत करे और बतायें की परमेश्वर वहाँ क्या कार्य कर रहा है।
- प्रतिभाशाली संगीतकारो को सुनकर आनंद ले और नये गीत सीखें।
- अन्य विश्वासियों से मिलकर मित्रता बनायें।
- अवसर मिलने पर सीखें और नई सेवकाईयों के विषय योजना बनायें।
- परमेश्वर की स्तुति करें, और जनता व सरकारी पट्ाधिकारियों के लिये प्रार्थना करें।

सावधान: अगर बड़े समूह अक्सर मिलने लगेंगे, तब कुछ विश्वासी घरो की कलीसियायों में आना बन्द कर देगें।

3. **अपने सह कर्मियों के साथ योजना बनायें आने वाली आराधनाओ के बारे में।**

उन कार्यक्रमो को चुने जो चालू आवश्यकता को पूरा करती है।

बच्चों को वयस्कों के सामने नाटक और प्रश्न प्रस्तुत करने दें जो उन्होंने तैयार किए है।

ऊपर के भाग 1 में जो वस्तु आपने पाई हैं **उसे विस्तार करके बतायें और प्रश्न पूछें।**

1 कुरिन्थियों 14:26-32 को पढ़े व अध्ययन करें जिससे जान सके कि किस प्रकार के कार्यक्रम विश्वासी मिलकर कर सकते हैं

कुछ कार्यक्रम मिलकर अभ्यास करें जिनको विश्वासी अपने परिवारों तथा अपने घरों की सभाओं में करे।

1 कुरिन्थियो 11:18-34 **को पढ़कर प्रभु भोज को प्रस्तुत करें।**

मत्ती 18:20 को मिलकर याद करें।

विश्वासी तीन या चार के समूह में इकठे हो कर एक दूसरे को सुने और प्रार्थना करें।

अगर आपने नये चरवाहो को प्रशिक्षण दिया और अभी तक पी-टी को नहीं पढ़ा अध्ययन करे एओ एफ मार्ग दर्शी सिद्घांत जिससे नौसिखिये चरवाहो को किस प्रकार प्रशिक्षण दिया जाये, इसलिए कृपया ऐसा अभी करें।